पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

महत्वपूर्ण घटनाक्रम का सारांश- फरवरी, 2022

1. **माह के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां**: **अनुलग्नक-I** में दी गई हैं।

2. **व्यापक अंतर मंत्रालयी विचार-विमर्श/आदि के कारण रुके हुए महत्वपूर्ण नीतिगत/मामले आदि**: शून्य।

3. **मंत्रालय में तीन महीने से अधिक समय से लंबित 'अभियोजन के लिए स्वीकृति' के मामलों की संख्या**: शून्य।

4. **ऐसे मामलों का विवरण जिसमें सरकार के कार्य व्यवहार या स्थापित नीति में छूट दी गयी है**: शून्य

5. **चालू स्वच्छता अभियान की स्थिति (विशेष अभियान के तहत प्रगति):** परिसर की प्रतिदिन सफाई।

6. **स्वायत्त निकायों के युक्तिकरण की स्थिति:** पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय तथा इस मंत्रालय के अधीन स्वायत्त संस्थानों के निदेशकों के साथ आंतरिक रूप से विचारविमर्श किया गया तथा सभी 5 स्वायत्त संस्थानों को एक सोसायटी के तहत विलय करने का नया प्रस्ताव किया गया। सभी मौजूदा स्वायत्त संस्थान एक सोसायटी के तहत कार्य करेंगे। इस संबंध में विस्तृत नोट वित्त मंत्रालय को उनकी सहमति के लिए भेजा जाएगा।

7. **प्रशासन और विकास में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी आधारित उपकरणों और अनुप्रयोगों के उपयोग के लिए किए गए विशिष्ट उपायों के संबंध में सूचना:** समुद्र की सतह का तापमान और क्लोरोफिल जैसे उपग्रह से प्राप्त किए गए मापदंडों का उपयोग करके मछली पकड़ने के संभावित क्षेत्र की परामर्शिकाएं जारी की जाती हैं। इसके अलावा, अल्पावधि और मध्यम अवधि के मौसम का पूर्वानुमान लगाने के लिए ग्लोबल सैटेलाइट के डेटा का सतत रूप से उपयोग किया जाता है।

8. **स्वायत्त निकायों/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों सहित मंत्रालय/विभाग में वरिष्ठ स्तर की नियुक्तियों की रिक्ति की स्थिति:** इस बात की पुष्टि की जाती है कि मंत्रालय/विभाग और उसके संगठनों के मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति के दायरे में आने वाले सभी पदों का ब्यौरा एवीएमएस पर अद्यतन किया गया है और इसका ब्यौरा **अनुलग्नक-II** में दिया गया है।

9. **ऐसे मामलों की सूची जिनमें मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति के निर्देशों का अनुपालन नहीं किया गया है**: इस बात की भी पुष्टि की जाती है कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति के निर्देशों का अनुपालन किया गया है।

10. **माह के दौरान पास कर दिए गए एफडीआई प्रस्तावों का विवरण तथा मंत्रालय/विभाग में अनुमोदन हेतु प्रतीक्षारत एफडीआई प्रस्तावों की स्थिति** : लागू नहीं।

****

लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां:

- तटीय अनुसंधान पोत सागर अन्वेषिका ने भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा 21 फरवरी, 2022 को विशाखापत्तनम में आयोजित 12वीं प्रेशिडेंशल फ्लीट रिव्यू-2022 में भाग लिया और भारत सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों के लिए समुद्री वैज्ञानिक डेटा और समुद्री प्रेक्षण प्राप्त करने के संबंध में वैज्ञानिक शक्ति, क्षमता का प्रदर्शन किया।
- अंटार्कटिका (ISEA) के लिए 41वें भारतीय वैज्ञानिक अभियान के 19 ग्रीष्मकालीन सदस्यों को भारती और मैत्री से हटा दिया गया और वे केप टाउन के रास्ते भारत लौट आए।
- अंतर्राष्ट्रीय मानसून परियोजना कार्यालय (आईएमपीओ) का शुभारंभ: आईएमपीओ ने 28 फरवरी 2022, जिस दिन "राष्ट्रीय विज्ञान दिवस" भी था, को आईएमपीओ के उच्च स्तरीय शुभारंभ कार्यक्रम के आयोजन के लिए पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस) और विश्व जलवायु अनुसंधान कार्यक्रम (डब्ल्यूसीआरपी) सचिवालय के साथ कार्य किया। इस कार्यक्रम में माननीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह का प्री-रिकॉर्डेड संबोधन शामिल था।
- समुद्री स्तनपायी कोगियाब्रेविसेप्स के लिए हिंद महासागर जैव विविधता सूचना प्रणाली (इंडोबिस) पोर्टल में पहली बार डीऑक्सी राइबो न्यूक्लिक एसिड (डीएनए) व्युत्पन्न घटना रिकॉर्ड अपलोड किया गया है। ओबीआईएस में डीएनए-व्युत्पन्न विस्तार शुरू करने के बाद इंडोबिस में यह अपनी तरह का पहला रिकॉर्ड है।

निर्णय/अनुमोदन की आवश्यकता वाला कोई भी मामला मंत्रिमंडल के समक्ष लंबित नहीं था।

<u>न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन;</u>

- किसान पोर्टल और सरकारी निजी सहभागिता मोड के माध्यम से देश में एस.एम.एस और आईवीआर प्रौद्योगिकी के जरिए उपयोक्ता समुदायों के लिए एग्रोमेट परामर्शिकाओं का प्रसारण जारी है। वर्तमान में, देश में लगभग 28.78 मिलियन किसान सीधे तौर पर एस.एम.एस के जरिए एग्रोमेंट परामर्शिकांए प्राप्त कर रहे हैं।
- राज्य सरकार के अधिकारियों/ आपदा संबंधी अधिकारियों/केंद्र सरकार के संगठनों/जन सामान्य को मोबाइल के माध्यम से प्रतिकूल मौसम के बारे में एसएमएस से चेतावनियां भेजी जा रही हैं।
- राज्य प्राधिकरणों, इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया सहित सभी प्रयोक्ताओं को ई-मेल के माध्यम से कई शहरों के लिए चेतावनी और शहर पूर्वानुमान के साथ-साथ दैनिक पूर्वानुमान प्रसारित किये जाते हैं।

<u>वायु मंडलीय प्रेक्षण प्रणाली नेटवर्क</u>

प्रेक्षण का प्रकार	अब तक चालू किए गए	महीने के दौरान स्थापित।	डेटा रिपोर्टिंग।
स्वचालित मौसम स्टेशन (AWS)	*329 (727-398)	--	329
स्वचालित वर्षा मापी (ARG)	500** (1382-882)		500
एग्रो (AWS)	198	03	196
GPS सोंडे आधारित आरएस/आरडब्ल्यू (रेडियो/रेडिया वायु) स्टेशन	56	--	56
डॉपलर मौसम रडार (DWR)	*** 32		25
ओजोन (ओजोन सोंडे+कुल ओजोन)	04	--	04

सतह ओजोन (विद्युत-रासायनिक सांद्रता सेल विधि)	07	--	07
नेफेलोमीटर	12	--	10
स्काई रेडियोमीटर	20	--	13
ब्लैक कार्बन मॉनिटरिंग सिस्टम (अथैलोमीटर)	25	--	23
वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली	10 (दिल्ली) 10 (मुंबई) 10 (अहमदाबाद)	--	09 (दिल्ली) शून्य (मुंबई)**** 10 (अहमदाबाद)
हाइड्रोमैट (भारत मौसम विज्ञान विभाग एवं एडब्ल्यूएस एवं एआरजी को छोडकर अन्य विभाग	---	--	3251
विमानन	79	--	79
रेडिएशन स्टेशन	46	---	46

*कुल 727 में से 398 पुराने हैं।
**कुल 1382 में से 882 पुराने हैं।
***भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) के दो डॉप्लर मौसम रडारों सहित।
**** फर्म के साथ अनुबंध का नवीनीकरण नहीं किया गया है।

मॉडलिंग

फरवरी, 2022 के दौरान, हर सप्ताह गुरुवार को, बारिश, सतह के तापमान और हवाओं (पूर्ण क्षेत्रों और विसंगतियों) के लिए चार सप्ताह राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र, युग्मित मॉडल आधारित दीर्घावधि पूर्वानुमान (ईआरपी) (i) आईएमडी के दीर्घ अवधि के पूर्वानुमान और कृषि-मौसम प्रभाग, (ii) भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (IITM) ईआरपी समूह, (iii) अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (SAC), (iv) हिमपात और हिमस्खलन अध्ययन प्रतिष्ठान (SASE), (v) भारतीय वायु सेना (IAF), (vi) नेवी, (vii) जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (GSI), (viii) नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रोलॉजी (NIH), (ix) आईएमडी के सभी प्रादेशिक केंद्र और (x) बंगाल इनिशिएटिव फॉर मल्टी-सेक्टोरल तकनीकी और आर्थिक सहयोग (बिम्सटेक) देशों के मौसम विभाग को प्रादेशिक रियल टाइम में प्रदान किए गए थे। इसके अतिरिक्त, हिमपात के पूर्वानुमान एसएएसई/डीआरडीओ तथा भारतीय वायु सेना को उपयोग के लिए उपलब्ध करवाए गए।

मासिक मौसम सारांश (फरवरी 2022)

क) माह के दौरान मौसम की महत्वपूर्ण घटनाएं

<u>निम्न दबाव प्रणालियां:</u> माह के दौरान कुल आठ पश्चिमी विक्षोभ, एक प्रेरित निम्न दबाव क्षेत्र और लगभग छह प्रेरित चक्रवाती परिसंचरण ने पश्चिमोत्तर भारत को प्रभावित किया। इनके कारण पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र, पश्चिमोत्तर भारत, जम्मू कश्मीर और लद्दाख, पंजाब और हरियाणा, पूर्व और पूर्वोत्तर भारत, मध्य भारत में व्यापक वर्षा / बर्फबारी / गरज के साथ तूफान की गतिविधि हुई थी।

पश्चिमोत्तर, मध्य और पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों में माह के दौरान कुछ दिनो तक घने से बहुत घना कोहरा छाया रहा।

माह के दौरान पश्चिमोत्तर और मध्य प्रदेश से आसन्न क्षेत्रों में लंबे समय तक ठंड से लेकर प्रचंड ठंड की सूचना प्राप्त हुई।

मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, विदर्भ और ओडिशा में अलग-अलग स्थानों पर शीत लहर की स्थिति बनी हुई थी।

ख) वर्षा परिदृश्य: फरवरी, 2022 माह में, पूरे देश में 19.1 मिमी. वर्षा दर्ज की गई जो इसके दीर्घावधि औसत (LPA) 23.5 मिमी. का 81% है।

ग) भारी वर्षा की घटनायें:

समयावधि जिसके लिए चेतावनी जारी की गई	भारी / बहुत भारी वर्षा की घटनाओं की संख्या (> 64.4 मिमी): 31
	64.4 मिमी से अधिक वर्षा के लिए प्रतिशत सुधार (% में)
दिन 1/24 घंटे।	98
दिन 2/48 घंटे	98
दिन 3/72 घंटे।	98

घ) तापमान परिदृश्य:

फरवरी, 2022 माह में देश में समग्र रूप से औसत तापमान 21.42 डिग्री सेल्सियस था, जो कि सामान्य तापमान से 0.23 डिग्री सेल्सियस कम था। माह के दौरान देश के मैदानी इलाकों में 28 फरवरी, 2022 को नलगोंडा (तेलंगाना) में अधिकतम तापमान 38^0C दर्ज किया गया और 6 फरवरी 2022 को हिसार (हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली) में न्यूनतम तापमान 1.8^0C दर्ज किया गया।

ङ) गरजने और ओलावृष्टि की घटनाएं: माह के दौरान (माह की अंतिम तिथि को भारतीय मानक समय 08: 30 तक) गरजने और ओलावृष्टि की घटनाएं नीचे तालिका में दी गई हैं:

क्र. सं.	राज्य / संघ राज्य क्षेत्र	गरजने की घटनाएँ	ओलावृष्टि की घटनाएं	धूल भरी आंधी	झोंकेदार हवाएँ
1	अंडमान व निकोबार	0	0	0	0
2	आंध्र प्रदेश	0	0	0	1
3	अरुणाचल प्रदेश	0	0	0	0
4	असम	5	2	0	1
5	बिहार	2	1	1	3
6	चंडीगढ़	2	2	0	0
7	छत्तीसगढ़	1	4	1	0
8	दादर और नगर हवेली	0	0	0	0
9	दिल्ली	3	3	0	0
10	गोवा	0	0	0	0
11	गुजरात	0	0	0	0
12	हरियाणा	6	3	2	1
13	हिमाचल प्रदेश	0	0	0	0
14	जम्मू एवं कश्मीर	0	0	0	0
15	झारखंड	1	1	0	0
16	कर्नाटक	0	0	0	0
17	केरल	0	0	1	0
18	लद्दाख	0	0	0	0
19	लक्ष द्वीपसमूह	0	0	0	0
20	मध्य प्रदेश	0	1	1	0

क्र. सं.	राज्य / संघ राज्य क्षेत्र	गरजने की घटनाएँ	ओलावृष्टि की घटनाएं	धूल भरी आंधी	झोंकेदार हवाएँ
21	महाराष्ट्र	0	0	0	0
22	मणिपुर	0	0	0	0
23	मेघालय	0	2	0	0
24	मणिपुर	0	0	0	0
25	नागालैंड	1	0	0	0
26	ओडिशा	0	0	0	1
27	पुडुचेरी	0	0	0	0
28	पंजाब	1	1	0	0
29	राजस्थान	0	0	0	0
30	सिक्किम	0	0	0	0
31	तमिलनाडु	1	1	1	1
32	तेलंगाना	0	0	0	0
33	त्रिपुरा	0	0	0	0
34	उत्तर प्रदेश	1	4	1	1
35	उत्तराखंड	1	0	0	0
36	पश्चिम बंगाल	4	1	0	5

जारी किए गए बुलेटिन/ चेतावनियां /प्रेस विज्ञप्तियां:

अखिल भारतीय मौसम बुलेटिन- 112 , अखिल भारतीय मौसम अनुमान और प्रतिकूल मौसम चेतावनियां- 112 , अखिल भारतीय साप्ताहिक मौसम रिपोर्टें-4, पश्चिमी और मध्य हिमालयी क्षेत्र के लिए पर्वत मौसम बुलेटिन-56 , उत्तर भारत के लिए अखिल भारतीय बहु- जोखिम सर्दी के मौसम की जारी की गई चेतावनियां:- 28, समुद्री मौसम बुलेटिन:-56, प्रतिकूल मौसम के लिए नाउकास्ट मार्गदर्शन बुलेटिन-28, प्रतिकूल मौसम पूर्वानुमान कार्यक्रम बुलेटिन:28, उत्तरी हिंद महासागर के लिए विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्लूएमओ)/एशिया-प्रशांत के लिए आर्थिक और सामाजिक आयोग (ईएससीएपी) पैनल सदस्य देशों के लिए उष्णकटिबंधीय मौसम आउटलुक: -28, चक्रवात उत्पत्ति पर विस्तारित अवधि आउटलुक (प्रत्येक गुरुवार को साप्ताहिक आधार): -4, माह के दौरान जारी कुल प्रेस विज्ञप्तियां-33

प्रकाशन और प्रचालन रिपोर्टें :

i) फरवरी 2022 माह की अन नीनो - दक्षिणी दोलन (ईएनएसओ) बुलेटिन तथा फरवरी से मार्च 2022 माह के लिए दक्षिण एशिया हेतु मौसमी जलवायु आउटलुक जारी किए गए (त्वरित लिंक: www.imdpune.gov.in/Clim_Pred_LRF_New/Products.html)

ii) दिनांक 05.02.2022, 12.02.2022, 19.02.2022, तथा 26.02.2022 को समाप्त सप्ताहों के लिए चार साप्ताहिक और संचयी मानकीकृत वर्षा सूचकांक (एसपीआई) मानचित्र तैयार किए गए और कृषि मौसम परामर्शी सेवा बुलेटिन में उपयोग के लिए भेजे गए। इन्हें आईएमडी पुणे की वेबसाइट पर अपलोड भी किया गया है।

iii) 4 साप्ताहिक, 1, 2, 3 एवं 4 मासिक समय पैमाने पर 0.5*0.5 डिग्री रिजोल्यूशन पर ग्रिडेड मानकीकृत वर्षा सूचकांक (SPI) तथा मानकीकृत वर्षा इवैपोट्रांसपासयरेशन सूचकांक (SPEI) की गणना की गई। आईएमडी पुणे की वेबसाइट पर साप्ताहिक आधार पर उपर्युक्त समय-पैमाने के मैप अपलोड किए गए।

iv) 29 जनवरी से लेकर 4 फरवरी तक, 05 से लेकर 11 तक, 12 से लेकर 18 तक, 19 से लेकर 25 फरवरी 2022 तक की अवधि के लिए चार साप्ताहिक शुष्कता विसंगति आउटलुक मैप तैयार किए गए हैं।

v) दिनांक 05 से लेकर 11 फरवरी , 12 से लेकर 18, 19 से लेकर 25, तथा 26 फरवरी से लेकर 04 मार्च 2022 तक की अवधि के लिए चार साप्ताहिक शुष्कता विसंगति आउटलुक मैप तैयार किए गए हैं।

vi) 29 जनवरी से 11 फरवरी और 12 से 25 फरवरी 2022 की अवधि के लिए दो द्विसाप्ताहिक शुष्कता विसंगति मानचित्र तैयार किए गए हैं।

vii) भारत के जलवायु डायग्नोस्टिक बुलेटिन में उपयोग के लिए जनवरी 2022 को समाप्त माह के लिए मासिक और संचयी मानकीकृत वर्षा सूचकांक (एसपीआई) मानचित्र तैयार किए गए थे। इसे आईएमडी पुणे वेबसाइट पर भी अपलोड किया गया है।

भूकंपविज्ञानीय प्रेक्षण नेटवर्क

प्रेक्षण का प्रकार	लक्ष्य	चालू किए गए	माह के दौरान डेटा रिपोर्टिंग
भूकंप पूर्वानुमान केन्द्र	115	152	144

भूकंप और सुनामी की निगरानी

भूकंप: भारतीय क्षेत्र में 111 भूकंपों की निगरानी की गई, जिसमें से 3 भूकंपों की तीव्रता 5.0 से अधिक थी।
सुनामी**:** सुनामी उत्पन्न कर सकने की क्षमता वाले समुद्र तलीय भूकंप (6 से अधिक तीव्रता वाले) नहीं आए।

समुद्र प्रेक्षण प्रणाली

प्लेटफॉर्म का प्रकार	लक्ष्य	जनवरी, 2021 तक चालू किए गए	फरवरी, 2022 के दौरान प्राप्त डेटा
अर्गो फ्लोट्स*	200	374	75
मूरेड बुवॉय	16	19	11
टाइड गेज	36	36	29
उच्च आवृत्ति (HF) राडार	10	12	10
एकाउस्टिक डॉपलर करेंट प्रोफाइलर (ADCP)	20	20	18
सुनामी बुवॉय	4	7	2
वेव राइडर बुवॉय	23	16	12

*शेष फ्लोट्स / ड्रिफ्टर्स ने अपनी समय अवधि पूरी कर ली है, इसलिए उनसे कोई डेटा नहीं प्राप्त किया जा सकता।

समुद्र विज्ञान सेवाएँ

संख्या	पूर्वानुमान के प्रकार	महीने के दौरान जारी की गई परामर्शिकाओं की संख्या
1.	इंटीग्रेटेड पोटेंशियल फिशिंग जोन (PFZ) एडवाइज़री (सी सर्फेस टेम्परेचर (SST), क्लोरोफिल, विंड)।	29
2.	टूना मछली पकड़ने की परामर्शिकाएं	29
3.	समुद्री दशा का पूर्वानुमान (OSF) लहरें, पवन,धारा, एसएसटी(समुद्र तल का तापमान), MLD (मिश्रित परत की गहराई)और D20 पूर्वानुमान	28
4.	रियल टाइम वैश्विक समुद्र विश्लेषण (दैनिक)	30
5.	कोरल विरंजन चेतावनी प्रणाली	10

आउटरीच एवं जागरुकता

- भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केन्द्र (इंकॉइस) ने अपना 24वें स्थापना दिवस का समारोह मनाया, इस अवसर पर "समुद्री पूर्वानुमान तथा संयुक्त राष्ट्र (UN) दशक अवसर" नामक स्थापना दिवस परिचर्चा की गई।
- इंकॉइस के स्थापना दिवस उत्सव समारोह के अंग के रूप में दिनांक 2 फरवरी 2022 को ऑनलाइन मोड में एक समेकित उपयोगकर्ता संवाद कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें लगभग कुल दो सौ (200) प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जो विभिन्न श्रेणियों के अंतिम-उपयोगकर्ता थे, जैसे कि मछुआरे, गैर सरकारी संगठन, उद्योग, नौसेना, आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, बंदरगाह एवं तट, विमानपत्तन उद्योग तथा समुद्री नाविक आदि।
- इंकॉइस ने तटीय सामुदायिक रेडियो स्टेशन के संचालकों हेतु दिनांक 09 फरवरी 2022 को "तटीय सामुदायिक रेडियो संचालकों को प्रशिक्षण" नामक एक अद्वितीय ऑनलाइन प्रशिक्षण प्रदान किया। भारत के सभी तटवर्ती राज्यों के लगभग दो दर्जन से अधिक सामुदायिक रेडियो स्टेशनों के प्रतिनिधियों ने इसमें सहभागिता की। यह कार्यक्रम इंकॉइस के अन्तरराष्ट्रीय प्रशिक्षण केन्द्र - अन्तरराष्ट्रीय प्रचालनात्मक समुद्रविज्ञान प्रशिक्षण केन्द्र (ITCOocean) में भारतीय सामुदायिक रेडियो संघ (CRA) के सहयोग से आयोजित किया गया था।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग के महानिदेशक डॉ. एम.महापात्रा ने आकाशवाणी द्वारा प्रसारित "मेघ विद्या" विषय पर "सुनने की शक्ति" नामक कार्यक्रम की 21वीं कड़ी में दिनांक 18 फरवरी, 2022 को "मौसम पूर्वानुमान में प्राचीन भारतीय ज्ञान" पर चर्चा की। प्रसारित किया गया यह कार्यक्रम https://youtu.be/a07Lv8j2iX8पर भी उपलब्ध है।
- डॉ. आर.के. जेनामणि, वैज्ञानिक एफ तथा क्षेत्रीय विशिष्ट मौसम विज्ञान केन्द्र (RSMC) के प्रमुख ने दिनांक 21 फरवरी को इंदिरा गांधी अन्तरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (IGIA) हेतु मेट डिसीजन सपोर्ट सिस्टम (DSS) आधारित समेकित वेब-जियोग्राफिक सूचना प्रणाली (GIS) पर प्रथम मौसम विज्ञानीय वायु यातायात प्रबन्धन (MET-ATM) बैठक का आयोजन एवं अध्यक्षता की, तथा "IMD के वेब आधारित GIS के विभिन्न उपयोगकर्ता विशिष्ट उत्पाद घटकों सम्बन्धी कार्य योजना एवं प्रगति" प्रस्तुत करते हुए उपयोगकर्ताओं के सुझाव एवं जरूरतों के बारे में जानकारी मांगी। इस बैठक में इंदिरा गांधी अन्तरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तथा भारत मौसम विज्ञान विभाग के विभिन्न अधिकारियों, कार्यात्मक समूह ने सहभागिता की।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग ने यूट्यूब, फेसबुक, ट्विटर एवं आईएमडी वेबसाइट के माध्यम से अंग्रेजी एवं हिन्दी भाषा में लगभग 5 मिनट लंबे मौसम पूर्वानुमान सम्बन्धी वीडियो प्रतिदिन जारी किए।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा वेबसाइट एवं सोशल मीडिया (फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब आदि) के माध्यम से प्रत्येक गुरूवार को विस्तृत अवधि पूर्वानुमान (दो सप्ताह तक का) सम्बन्धी साप्ताहिक वीडियो जारी किया जाता है।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा देशभर के अंदर पूर्वानुमानकर्ताओं द्वारा दैनिक साक्षात्कार दिया गया।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग के क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा नियमित रूप से पूर्वानुमान वीडियो क्षेत्रीय भाषाओं में जारी किए गए।
- ग्राफिक युक्त बुलेटिन एवं चेतावनी सोशल मीडिया समेत फेसबुक, ट्विटर, इंस्ट्राग्राफ, यूट्यूब एवं आईएमडी ब्लॉग पेज के माध्यम से भी जारी किए गए।
- भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (IITM) 'आजादी का अमृत महोत्सव' आयोजित कर रहा है, तथा इस समारोह के हिस्से के रूप में फरवरी 2022 माह में वर्चुअल व्याख्यान श्रृंखला आयोजित किया गया तथा IITM में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस गतिविधियां आयोजित की गई।

<u>प्रकाशन</u>

विषय	प्रकाशन			पीएचडी		
	अप्रैल, 2021 – जनवरी, 2022	फरवरी, 2022	कुल	अप्रैल, 2021 – जनवरी, 2022	फरवरी, 2022	कुल
वायुमण्डलीय विज्ञान	195	14	209	6	1	7

समुद्री विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	94	8	102	4	-	4
ध्रुवीय विज्ञान	41	1	42	1	-	1
भूविज्ञान एवं संसाधन	95	11	106	2	1	3
कुल	425	34	459	13	2	15

माह के दौरान समुद्री अनुसंधान पोतों का उपयोग

पोत	समुद्र पर दिन / उपयोग	अनुरक्षण / निरीक्षण / वैज्ञानिक लॉजिस्टिक / क्रूज तैयारी	क्रूज की संख्या
सागर निधि	0	28	0
सागर मंजूषा	0	28	0
सागर तारा	15	13	2
सागर अन्वेषिका	3	25	1
सागर कन्या	22	6	2
सागर सम्पदा	0	28	0

अनुलग्नक II

सं. एमओईएस/20/01/2017-स्था.
भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

पृथ्वी भवन, लोदी रोड
नई दिल्ली 110 003
दिनांक: 11 मार्च, 2022

प्रमाण पत्र

(माह फरवरी2022 के लिए)

प्रमाणित किया जाता है कि पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय से संबंधित सभी पदों के संबंध में विस्तृत स्थिति फरवरी,2022माह के अंतिम दिन एवीएमएस पर अपडेट कर दी गई है। स्थिति का सार विवरण नीचे दिया गया है:-

(क) एवीएमएस में दर्ज किए जाने हेतु अपेक्षित पदों की कुल संख्या	-13
(ख) आज की तारीख की स्थिति के अनुसार भरे हुए पदों की संख्या	-10
(ग) आज की तारीख की स्थिति के अनुसार पूर्णत: रिक्त पदों की संख्या	-02
(घ) अतिरिक्त प्रभार व्यवस्था के अधीन पदों की संख्या	-01
(ङ) आगामी 6 माह में रिक्त होने वाले पदों की संख्या	-01

(इंदिरा मूर्ति)
संयुक्त सचिव
js.moes@gov.in